SPARK

Innovation Ecosystem

2020-21

Institution has created an ecosystem for innovations and creation and transfer of knowledge supported by dedicated centres for research, entrepreneurship, community orientation, incubation, etc. The institution plays an encouraging role in promoting an ecosystem for innovation for creation and transfer of knowledge through the different courses and trainings carried out by the various departments. These activities not only update the students with theoretical knowledge about various innovations relating to their subject but also equip them with their application, which are then transferred to their family members, friends, and the local people. The institution follows certain practices which are fully student oriented. Such practices work in the direction of grooming the personality to shine on the horizon as a beacon of knowledge, self-confidence and source of inspiration to build the students, making them multifaceted individuals. Being a women's college, the institution takes all pains in preparing them to become self-sufficient unit of the society after completion of studies.

A number of short-term training courses, workshops and seminars are organized every year. These activities are carried out to promote career-oriented skills. Students learn the techniques and intricacies from the experts and make various products which are exhibited and sold in the career fare.

The current year focused on topics such as:

- Online Workshop on Design concept and development
- Webinar on Employability and Entrepreneurship
- Webinar on Mental health during Covid-19
- Webinar on Biodiversity of edible fungi

.

उच्च शिक्षा विभाग की पहल : हर कॉलेज को साइन करना होगा एमओयू

12 कॉलेज बनेंगे 'आत्मनिर्भरता' की पाठशाला, मिलेगा प्रशिक्षण-रोजगार

पत्रिका पड़ताल

मयंक साहू
patrika.com

जबलपुर . कोरोना संकट काल में बदली परिस्थितियों और स्थानीय स्तर पर कॉलेज के छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने अनूठी पहल की है। इसके तहत कॉलेज और औद्योगिक संस्थान मिलकर छात्रों को आत्मनिर्भर बनाएंगे। इसके लिए कॉलेज और औद्योगिक संस्थानों के बीच एमओयू साइन किया जाएगा।

औद्योगिक संस्थान छात्रों को उनकी आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण देंगे। प्लेसमेंट में भी हरसंभव मदद करेंगे। शुरुआत में योजना में सरकारी कॉलेजों को शामिल किया गया है। इसके लिए जबलपुर और आसपास संचालित उद्योगों की सूची बनाई जा रही है।

हर जिले के लिए अलग पैमाना

जानकारी के अनुसार छात्रों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराने के लिए हर जिले की आवश्यकता के अनुसार पैमाना निर्धारित किया जा रहा है। जबलपुर में रेडीमेड वस्त्र, खेती, पर्यटन, रीवा में सौर ऊर्जा प्लांट, पन्ना में हीरे की खदान, बालाघाट में तांबा कारोबार के अनुसार छात्रों को उसी विधा में प्रशिक्षित किया जाएगा। छात्रों को कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, खाद्य व्यंजन आदि का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण भी देंगे

जानकारी के अनुसार चयनित औद्योगिक संस्थान छात्र-छात्राओं को उनकी योग्यता के अनुसार संस्थान में प्रैक्टिकल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए लघु और कुटीर उद्योगों के चयन की प्रक्रिया मार्च तक पूरी कर ली जाएगी।

ये कॉलेज शामिल

शुरुआत में योजना में शास. मानकुंवर बाई आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, गवर्नमेंट बन्नीलाल पाठक कॉलेज, गवर्नमेंट कॉलेज बरगी, शास. साइंस कॉलेज, शास. एमएच होम साइंस गर्ल्स पीजी कॉलेज, गवर्नमेंट महाकौशल आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, गवर्नमेंट कॉलेज ऑर्डिनेंस फैक्ट्री, गवर्नमेंट कॉलेज कुंडम, मझौली, पनागर, गवर्नमेंट कॉलेज पाटन, शास. श्यामसुंदर कॉलेज सिहोरा आदि को शामिल किया गया है।

ये है स्थिति

89 कॉलेज सम्भाग के शामिल

12 कॉलेज जिले के

08 हजार स्नातक छात्र

02 हजार स्नातकोत्तर छात्र

20 वृहद उद्योग

7500 सूक्ष्म और मध्यम उद्योग

70 औद्योगिक संस्थान

प्रदेश का गणित

02 लाख छात्रों को शामिल करने का है लक्ष्य

40 हजार स्नातकोत्तर छात्र

500 वृहद औद्योगिक संस्थान

पहली बार इस तरह का प्रयास हो रहा है। कॉलेज प्राचार्यों को स्नातक व स्नातकोत्तर छात्रों की सूची बनाने के साथ लघु व कुटीर उद्योगों के साथ एमओयू साइन करने के निर्देश दिए गए हैं।

डॉ. लीला भलावी,
अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा

प्रदेशभर में करीब दो लाख छात्रों का लक्ष्य रखा है। औद्योगिक संस्थानों से करार होने से कॉलेज छात्रों के प्रति ज्यादा गम्भीर होंगे। जिले के अनुरूप और छात्रों की पसंद के अनुसार प्रशिक्षण और प्लेसमेंट देने की योजना है। व्यवसाय के लिए तकनीकी सलाह और फंडिंग में भी मदद की जाएगी।

डॉ. उमेश सिंह,
डायरेक्टर, विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना

विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए करेंगे प्रेरित

जबलपुर। शासकीय होमसाइंस कॉलेज के वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग द्वारा पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि रादुविवि कुलपति डॉ. कपिलदेव मिश्र, विशिष्ट अतिथि निदेशक कौशल विकास केन्द्र डॉ. सुरेन्द्र सिंह रहे। अध्यक्षता अतिरिक्त संचालक डॉ. लीला भलावी ने की। इस दौरान कार्यशाला की विषय-विशेषज्ञ डॉ. सृष्टि पुरवार फैशन डिजाइनिंग एवं टेक्नोलॉजी इलाहाबाद के द्वारा 'डिजाइन कॉन्सेप्ट एवं डेवलपमेंट' विषय पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। आज कॉन्सेप्ट ऑफ डिजाइन, बेन स्ट्रॉमिंग एवं मिक्सिंग इंस्पिरेशन बोर्ड पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार और स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करना है। कार्यशाला में बैंगलोर, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश आदि राज्यों से 550 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मार्गदर्शन प्राचार्य डॉ. अभिजीत अवस्थी, संयोजन डॉ. भावना शर्मा ने किया। कार्यक्रम में डॉ. रीता पेठल, सुश्री मंजु बरखाने, डॉ. रचना अग्रवाल आदि का सहयोग है। संचालन डॉ. राजलक्ष्मी त्रिपाठी ने किया।सी-3

दैनिक भास्कर
27/12/20

CITY EVENT

Department of Cloths and Textile

Carrier fare

Earn while learn

S. no	No. & Detail of Item/Article	Name of the students Who sale the products	Name of Startup-Self earning or Placement / Name of the Exhibition or place to where sell the products	Quantity and Amount	Income through selling	Notice and photos
1	Nil	Priyanka Singh	Sew-in-shine, Self	Nil	7000/- Month	
2	Nil	Alka Mehra	Alkas Boutique, Self	Nil	6000/- Month	
3	Nil	Anjali Verma	Anjali Fashion Creation, Self	Nil	8000/- Month	

Online Business promotion (Boutique)

Alumni: Smt. Ragini Jain, Ankita Narula, Manorama, Praneeta